Sl.No. : 531972

नामांक Roll No.

3	1	0	2	2	3	8

No. of Questions – 21

No. of Printed Pages – 7

SS-21-Hindi Sah.

यहाँ से काटिए

उच्च माध्यमिक परीक्षा, 2023

SENIOR SECONDARY EXAMINATION, 2023

हिंदी साहित्य

समय : 3 घण्टे 15 मिनिट

पूर्णांक : 80

प्रश्न पत्र को खोलने के लिए यहाँ फाड़ें

परीक्षार्थियों के लिए सामान्य निर्देश :

1) परीक्षार्थी सर्वप्रथम अपने प्रश्न–पत्र पर नामांक अनिवार्यतः लिखें ।

2) **सभी** प्रश्न हल करने अनिवार्य हैं ।

3) प्रत्येक प्रश्न का उत्तर दी गई उत्तर–पुस्तिका में ही लिखें ।

4) जिन प्रश्नों में आन्तरिक खण्ड हैं, उन सभी के उत्तर एक साथ ही लिखें ।

5) प्रश्न का उत्तर लिखने से पूर्व प्रश्न का क्रमांक अवश्य लिखें ।

यहाँ से काटिए

खण्ड – अ

प्र.1) निम्नलिखित अपठित गद्यांश को ध्यान पूर्वक पढ़कर पूछे गए वस्तुनिष्ठ प्रश्नों के उत्तर अपनी उत्तर पुस्तिका में लिखिए – [6 × 1 = 6]

प्राचीन भारतीय संस्कृति में धार्मिक कृत्यों में एकान्त साधना पर अधिक बल दिया गया है, यद्यपि सामूहिक प्रार्थना का अभाव नहीं है। हमारे कीर्तन आदि तथा महात्मा गाँधी द्वारा परिचालित प्रार्थना – सभाएँ धर्म में एकत्व की सामाजिक भावना को उत्पन्न करती आई है। हमारे यहाँ सामाजिकता की अपेक्षा पारिवारिकता को महत्त्व दिया गया है। पारिवारिकता को खोकर सामाजिकता को ग्रहण करना तो मूर्खता होगी, किन्तु पारिवारिकता के साथ–साथ सामाजिकता बढ़ाना श्रेयस्कर होगा। भाषा और पोशाक में अपनत्व खोना जातीय व्यक्तित्त्व को तिलांजलि देना होगा। हमें अपनी सम्मिलित परिवार की प्रथा को इतना न बढ़ा देना चाहिए कि व्यक्ति का व्यक्तित्त्व ही न रह जाए और न व्यक्ति को इतना महत्त्व देना चाहिए कि गुरुजनों का आदर–भाव भी न रहे और पारिवारिक एकता पर कुठारा–घात हो।

i) उपर्युक्त गद्यांश का उचित शीर्षक है –
- अ) भारतीय संस्कृति में पारिवारिक एवं सामाजिक महत्त्व
- ब) जीवन में अध्यात्म एवं धर्म दर्शन का महत्त्व
- स) पारिवारिक झगड़ा–कलह का होना व्यर्थ है
- द) सामाजिक बुराइयों से व्यक्ति प्रभावित होता है

ii) प्राचीन भारतीय संस्कृति में धार्मिक कृत्यों में बल दिया है –
- अ) सामूहिक प्रार्थना पर ब) व्यक्तिगत साधना पर
- स) एकान्त साधना पर द) सामाजिक भावना पर

iii) हमारे यहाँ सामाजिकता की अपेक्षा महत्त्व दिया गया है –
- अ) अपनत्व पर ब) पारिवारिकता पर
- स) धन पर द) शक्ति पर

iv) पारिवारिकता के साथ–साथ क्या बढ़ाना श्रेयस्कर है –
- अ) भाषा एवं पोशाक ब) भोजन एवं व्यवहार
- स) धर्म एवं दर्शन द) सामाजिकता

v) 'ग्रहण' शब्द का विपरीतार्थक है –
- अ) आग्रह ब) गृहस्थ
- स) त्याग द) मोह

vi) व्यक्ति का व्यक्तित्त्व कब समाप्त हो जाता है?
- अ) सम्मिलित परिवार की प्रथा को अत्यधिक बढ़ाने से
- ब) एकल परिवार प्रथा को अत्यधिक बढ़ाने से
- स) जीवन में एकाकी जीने से
- द) सामाजिक सरोकारों से वंचित होने पर

निम्नलिखित अपठित काव्यांश को ध्यान पूर्वक पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर अपनी उत्तर पुस्तिका में लिखिए – [6 × 1 = 6]

मुझे कदम–कदम पर
चौराहे मिलते हैं
बाहें फैलाए।
एक पैर रखता हूँ
कि सौ राहें फूटती
व मैं उन सब पर से गुजरना चाहता हूँ,
बहुत अच्छे लगते हैं
उनके तजुर्बे और अपने सपने
सब सच्चे लगते हैं,
अजीब–सी अकुलाहट दिल में उभरती है,
मैं कुछ गहरे में उतरना चाहता हूँ,
जाने क्या मिल जाए।

vii) उपर्युक्त काव्यांश का उचित शीर्षक दिए गए विकल्पों में से चुनिए –
- अ) मुझे कदम–कदम पर ब) गुजरना चाहता हूँ
- स) बहुत अच्छे लगते हैं द) सब सच्चे लगते हैं

viii) कवि को चौराहे कैसे मिलते हैं –
- अ) व्यस्तता भरे ब) नव स्वागत करते
- स) बाहें फैलाए द) दौड़ते–भागते

ix) 'एक पैर रखता हूँ, कि सौ राहें फूटती' काव्य पंक्ति का भाव है –
- अ) कवि को काव्य के लिए अनेक विकल्प मिलना
- ब) जीवन में चलने के लिए सौ राह चुनना
- स) चौराहे से सैकड़ों रास्ते जाना
- द) एक पैर आगे रखते ही सफलता मिलना

x) 'अपने' शब्द का विलोम शब्द है –
- अ) स्वत्व ब) पराये
- स) निजी द) स्वयं

xi) 'फूटती' शब्द का तत्सम शब्द है
- अ) फूटना ब) स्फुटन
- स) सफूटन द) स्फुर्त

xii) काव्यांश का मूल कथ्य है –
- अ) संसार की निस्सारता बताना ब) जीवन का विस्तृत क्षेत्र बताना
- स) धर्मार्थकाममोक्ष बताना द) जीवन का महत्त्व बताना

प्र.2) निम्नलिखित रिक्त स्थानों की पूर्ति उचित उत्तर से कीजिए – [6 × 1 = 6]

i) .... का उत्कर्ष करने वाली बातों को गुण कहते हैं ।

ii) ''कब की इकटक डटि रही टटिया अँगुरिन टारि'' पंक्ति में .... काव्य दोष है ।

iii) मात्रिक छन्दों में .... की संख्या नियत रहती है ।

iv) 'वसन्ततिलका' छन्द के प्रत्येक चरण में .... वर्ण होते हैं ।

v) 'चरन–सरोज पखारन लागा ।' काव्य पंक्ति में अलंकार है ।

vi) जब दो वाक्यों में बिम्ब–प्रतिबिम्ब भाव हो तब .... अलंकार होता है ।

प्र.3) निम्नलिखित अति–लघूत्तरात्मक प्रश्नों के उत्तर अधिकतम 20 शब्दों में लिखिए – [12 × 1 = 12]

i) उपमा अलंकार की परिभाषा लिखिए ।

ii) कहती हुई यों उत्तरा के नेत्र जल से भर गए ।
हिम के कणों से पूर्ण मानो हो गए पंकज नये ।।
उपर्युक्त काव्य पंक्तियों में कौनसा अलंकार हैं?

iii) समाचार लिखने की एक विशेष शैली होती है । इन शैलियों के नाम लिखिए ।

iv) विचारपूर्ण लेखन क्या होता है?

v) समाचार माध्यमों में एक सफल साक्षात्कार के लिए किन–किन गुणों की आवश्यकता होती है?

vi) निराला की कविता 'सरोज स्मृति' किस पर केन्द्रित है?

vii) 'जहाँ कोई वापसी नहीं' पाठ की विधा का नाम लिखिए । ये किस संग्रह से लिया गया है?

viii) 'कच्चा चिट्ठा' पाठ का मूल विषय क्या है?

ix) ''शब्दों से जुड़ना (प्ले विद द वर्डस) कविता की दुनिया में प्रवेश करना है ।'' यह कथन किसका है?

x) नाटक का सबसे जरूरी और सशक्त माध्यम कौनसा है?

xi) किसी कहानी का केंद्रीय बिन्दु क्या होता है?

xii) 'पहचान' कहानी में राजा को कैसी प्रजा पसंद है?

खण्ड – ब

निर्देश – प्रश्न संख्या 4 से 15 तक प्रत्येक प्रश्न के लिए अधिकतम शब्द सीमा 40 शब्द हैं।

प्र.4) विशेष लेखन में 'डेस्क' क्या होता है? [2]

प्र.5) विशेष लेखन के कोई चार क्षेत्रों के नाम लिखते हुए एक क्षेत्र को समझाइए । [2]

प्र.6) 'यथास्मै रोचते विश्वम्' पाठ में लेखक ने कवि की तुलना किससे की है? मनुष्य को साहित्य किसकी प्रेरणा देता है? [2]

प्र.7) फणीश्वर नाथ 'रेणु' अथवा 'भीष्म साहनी' का साहित्यिक परिचय लिखिए । [2]

प्र.8) मलिक मुहम्मद जायसी अथवा केदार नाथ सिंह का साहित्यिक परिचय लिखिए । [2]

प्र.9) रघुवीर सहाय की कविता 'तोड़ो' का मूल भाव लिखिए । [2]

प्र.10) अंगद ने रावण को कैसे समझाया पठित रामचंद्रचंद्रिका के अंश के आधार पर लिखिए । [2]

प्र.11) 'साझा' कहानी समाज के किस वर्ग के कथानक को लेकर लिखी गई है? इसके लेखक का नाम लिखिए । [2]

प्र.12) ''झोंपड़े के जल जाने का दुःख न था, बरतन आदि जल जाने का भी दुःख न था, दुःख था उस पोटली का ।'' उपर्युक्त वाक्य किसके लिए कहा गया है? पोटली में क्या था? [2]

प्र.13) 'आरोहण' पाठ पहाड़ियों के जीवन संघर्ष, विपदाओं की जीवन्त कहानी है? कैसे? स्पष्ट करें । [2]

प्र.14) 'बिस्कोहर की माटी' पाठ में लेखक ने किसका वर्णन किया है? [2]

प्र.15) अमेरिका की खाउ–उजाडू जीवन पद्धति ने दुनिया को कैसे प्रभावित किया है? [2]

खण्ड – स

प्र.16) 'संवदिया' कहानी की मूल संवेदना स्पष्ट कीजिए । [3]

अथवा

'जहाँ कोई वापसी नहीं' पाठ में किन सरोकारों एवं यातनाओं को रेखांकित किया है?

प्र.17) 'देवसेना का गीत' का मूल कथ्य स्पष्ट कीजिए । [3]

अथवा

'दिशा' कविता बालमनोविज्ञान से संबन्धित कैसे है? स्पष्ट कीजिए ।

प्र.18) 'सूरदास की झोंपड़ी' पाठ में भैरों नामक पात्र की नकारात्मक प्रवृत्तियों वाले लोग कैसे दूसरों को हानि पहुँचाते हैं । अपने शब्दों में लिखिए । [4]

अथवा

'विस्कोहर की माटी' पाठ में किसकी आत्मकथा है? स्पष्ट कीजिए ।

खण्ड – द

प्र.19) निम्नलिखित पठित पद्यांश में से किसी एक की सप्रसंग व्याख्या कीजिए । [1 + 4 = 5]

जो है वह सुगबुगाता है
जो नहीं है वह फेंकने लगता है पचखियाँ
आदमी दशाश्वमेध पर जाता है
और पाता है घाट का आखिरी पत्थर
कुछ और मुलायम हो गया है
सीढ़ियों पर बैठे बंदरों की आँखों में
एक अजीब सी नमी है
और एक अजीब सी चमक से भर उठा है
भिखारियों के कटोरो का निचाट खालीपन

अथवा

पुलकि सरीर सभाँ भए ठाढ़े । नीरज नयन नेह जल बाढ़े ।।
कहब मोर मुनिनाथ निबाहा । एहि तें अधिक कहौं मैं काहा ।।
मैं जानउँ निज नाथ सुभाउ । अपराधिहूँ पर कोह न काऊ ।।
मो पर कृपा सनेहु बिमेखी । खेलत खुनिस न कबहूँ देखी ।।
सिसुपन तें परिहरेऊँ न संगू । कबहुँ न कीन्ह मोर मन भंगू ।।
मैं प्रभु कृपा रीति जियँ जो ही । हारे हूँ खेल जितावहिं मोंही ।।

प्र.20) निम्नलिखित पठित गद्यांश में से किसी एक की सप्रसंग व्याख्या कीजिए । [1 + 4 = 5]

यह जो मेरे सामने कुटज का लहराता पौधा खड़ा है वह नाम और रूप दोनों में अपनी अपराजेय जीवनी शक्ति की घोषणा कर रहा है। इसलिए यह इतना आकर्षक है कि हजारों वर्ष से जीता चला आ रहा है कितने नाम आए और गए दुनिया उनको भूल गई, वे दुनिया को भूल गए । मगर कुटज है कि संस्कृत की निरन्तर स्फीयमान शब्दराशि में जो जमके बैठा, सो बैठा ही है । और रूप की तो बात ही क्या है । बलिहारी है इस मादक शोभा की । चारों ओर कुपित यमराज के दारुण निःश्वास के समान धधकती लू में यह हरा भी है और भरा भी ।

अथवा

पंद्रहवी–सोहलवीं सदी में हिन्दी–साहित्य ने यही भूमिका पूरी की थी । सामंती पिंजड़े में बंद मानव–जीवन की मुक्ति के लिए उसने वर्ण और धर्म के सींकचों पर प्रहार किए थे । कश्मीरी ललद्यद, पंजाबी नानक हिन्दी सूर–तुलसी–मीरा कबीर, बंगाली चंडीदास, तमिल तिरुवल्लुवर आदि आदि गायकों ने आगे–पीछे समूचे भारत में उस जीर्ण मानव संबंधों के पिंजड़े को झकझोर दिया था । इन गायकों की वाणी ने पीड़ित जनता के मर्म को स्पर्श कर नए जीवन के लिए बटोरा, आशा दी संगठित किया ।

प्र.21) निम्नलिखित विषयों में से किसी एक विषय पर लगभग 400 शब्दों में निबंध लिखिए । [6]

अ) तुलसी दास की रचनाएँ
ब) वैश्विक महामारी एवं निवारण के उपाय
स) जीवन में नैतिक मूल्यों का महत्त्व
द) स्वावलंबन

⌘⌘⌘

DO NOT WRITE ANYTHING HERE